This question paper contains 5 printed pages.]

आपका अनुक्रमांक ....

7303 **A**

M.A./II

SANSKRIT—PAPER 203

(Sahitya : Meghaduta and Uttararamacharita)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 70

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये।

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Attempt all questions.

1. निम्नलिखित पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $4 \times 7 = 28$

Explain the following verses with reference to the context :

भाग 'क'

अन्विति 1

(i) तां चावश्यं दिवसगणनातत्परामेकपत्नी-

मव्यापन्नामविहतगतिर्द्रक्ष्यसि भ्रातृजायाम्।

[P.T.O.

आशाबन्धः कुसुमसदृशो प्रायशो ह्यङ्गनानां
सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि।।

अथवा ***(Or)***

हित्त्वा तस्मिन्भुजगवलयं शम्भुना दत्तहस्ता
क्रीडाशैले यदि च विचरेत्पादचारेण गौरी।
भङ्गीभक्त्या विरचितवपुः स्तम्भितान्तर्जलौघः
सोपानत्वं कुरु मणितटारोहणायाग्रयायी।।

अन्विति 2

(ii) हस्ते लीलाकमलमलके बालकुन्दानुविद्धम्
नीता लोध्रप्रसवरजसा पाण्डुतामानने श्रीः।
चूडापाशे नवकुरबकं चारु कर्णे शिरीषं
सीमन्ते च त्वदुपगमजं यत्र नीपं वधूनाम्।।

अथवा ***(Or)***

नन्वात्मानं बहु विगणयन्नात्मनैवावलम्बे
तत्कल्याणि! त्वमपि नितरां मा गमः कातरत्वम्।
कस्यात्यन्तं सुखमुपनतं दुःखमेकान्ततो वा।
नीचैर्गच्छत्युपरि च दशा चक्रनेमिक्रमेण।।

भाग 'ख'

अन्विति 1

(iii) इयं गेहे लक्ष्मीरियममृत वर्तिनयनयो–
रसावस्याः स्पर्शो वपुषि बहुलश्चन्दनरसः।
अयं बाहुः कण्ठे शिशिरमसृणो मौक्तिकसरः
किमस्या न प्रेयो यदि परमसह्यस्तु विरहः।।

अथवा *(Or)*

यथेच्छं भोग्यं वो वनमिदमयं मे सुदिवसः
सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति।
तरुच्छाया तोयं यदपि तपसो योग्यमशनं
फलं वा मूलं वा तदपि न पराधीनमिह वः।।

अन्विति 2

(iv) अपत्ये यत्तादृग्दुरितमभवत्तेन महता
विषक्तस्तीव्रेण व्रणितहृदयेन व्यथयता।
पटुर्धारावाही नव इव चिरेणापि हि न मे
निकृन्तन्मर्माणि क्रकच इव मन्युर्विरमति।।

अथवा *(Or)*

अङ्गादङ्गात्सृत इव निजस्नेहजो देहसारः
प्रादुर्भूय स्थित इव बहिश्चेतनाधातुरेव।
सान्द्रानन्दक्षुभितहृदयप्रस्रवेनेव सृष्टो
गात्रं श्लेषे यदमृतरसस्रोतसा सिञ्चतीव।।

2. (i) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6

Write a short note on any ***one*** of the following :

(क) मेघदूत में नदी–वर्णन।

Description of rivers in Meghadūta.

(ख) मेघदूत में छन्दौचित्य।

Propriety of metre in Meghadūta.

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

6 + 6 = 12

Write short notes on any ***two*** of the following :

(क) जृम्भकास्त्रदर्शन प्रसंग का नाटकीय महत्त्व।

Dramatic importance of Jṛmbhakāstra scene.

(ख) आत्रेयी का दण्डकारण्यप्रचार।

Wandering of Ātreyī in Daṇḍaka forest.

(ग) कुमारप्रत्यभिज्ञान।

Recognition of the Kumāraṣ.

(घ) उत्तररामचरित में प्रकृति।

Nature in Uttararāmacharita.

(iii) प्रश्न संख्या-2 (भाग i तथा ii) में से अनुत्तरित किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** भाषा में टिप्पणी लिखिए : 7

Write a short note on any ***one*** of the unattempted topic in question No. 2 (i & ii) in ***Sanskrit.***

3. (i) मेघदूत के आधार पर रामगिरि से अलका तक के मेघमार्ग का वर्णन कीजिए। 8

Describe the route of the cloud from Rāmagiri to Alakā on the basis of Meghadūtam.

अथवा *(Or)*

"वैदर्भीरीतिसन्दर्भे कालिदासो विशिष्यते"—इस उक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

"वैदर्भीरीतिसन्दर्भे कालिदासो विशिष्यते"—Explain this statement with examples.

(ii) "उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते"—इस उक्ति को विस्तार से मूल्यांकित कीजिए। 9

"उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते"—Evaluate it fully.

अथवा *(Or)*

उत्तररामचरितम् में छाया अंक का नाटकीय महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

Discuss the dramatic importance of Shadow-act in accordance with Uttararamcharitā.